सारथी नेहरु कलाकुंज

दिनांक 3.8.93

प्रिय सदस्य,

अब से ठीक 5 वर्ष पूर्व 1988 में स्व० श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय की सरपरस्ती में भारतीय संस्कृति के चारों मूल आधार (बुनकर, दस्तकार, संगीतकार व लोककलाकार) एक साथ जुड़े। इन चारों समूहों के एक साथ जुटने से कई कठिन काम आसानी से हल हो गये।

सारथी ने कलाकारों के रहवास की समस्या के साथ-साथ कई बुनियादी मुद्दों पर पिछले एक वर्ष में काम किये। सारथी द्वारा पिछले एक वर्ष में किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण आपको भेज रहे हैं :-

1. देश की सामयिक परिस्थिति पर कला के माध्यम से आम लोगों का ध्यान आकर्षित कर जनता से सुझाव लिये।

   6 दिसम्बर 1992 को अयोध्या की घटना के बाद, सारथी ने लेखकों, चित्रकारों, वास्तुकारों, दस्तकारों एवं विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों को एक साथ जोड़ा तथा अयोध्या की विवादित भूमि में लोगों की राय ली। इन सभी समाधानों को इन्डिया टुडे के सहयोग से "यह भूमि" पुस्तिका के रूप में संजोकर लोगों तक पहुचाया गया एवं आम जनता से "उनकी राय" ली। इण्डिया टुडे, आम लोगों की राय को, पिछले अंकों तक लगातार छापती रही तथा देश के कोने-किनारे से 2000 से अधिक लोगों ने अपने-अपने सुझाव भेजे, हर सुझाव अपने में एक समाधान है।

   राजीव गांधी फाउन्डेशन "यह भूमि" पुस्तिका को उर्दू में छपाने को राजी हो गया है, हमारा यह प्रयास है कि ऐसे सुझाव अधिक से अधिक लोगों तक भिन्न-भिन्न भाषाओं के जरिये पहुचे, साथ ही ग्रामीण, किसान मजदूरों की राय, (अयोध्या मसले पर) मत पत्र के द्वारा लेना चाहते हैं।

2. आपको याद होगा, 2 साल पहले भारत सरकार की 1985 की हथकरघा नीति को लागू करने के लिये हमने सुप्रीम कोर्ट में एक लोक हित याचिका दायर की थी। हम बड़ी खुशी के साथ आपको सूचित कर रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारे पक्ष में याने कि देश के हथकरघा बुनकरों के पक्ष में रहा। अब इस नीति का लाभ, गरीब बुनकर तक पहुचाने का हमारा प्रयास जारी है।

3. सदियों से सड़कों, शहरों, गांवों, मुहल्लों में अपनी कला प्रदर्शन करके लोगों का मनोरंजन करने वाले लोक कलाकारों को बम्बई की तरह दिल्ली प्रशासन ने भी, भिकमगा घोषित कर दिया था। तथा सड़कों पर करतब दिखाने पर पाबंदी लगा दी थी।

   सारथी ने सभी घुमन्तू कलाकारों (मरुलैत, कलन्दर, बाउल, जोगी, भोपा, नट, जगलर एवं अन्य) को एकजुट किया एवं उपराज्यपाल को यह बतलाया कि हम भिकमगे नहीं हैं, हम कलाकार लोग सदियों से लोगों का मनोरंजन करते आ रहे हैं। आपको यह बताते हुए हमें प्रसन्नता है कि सरकार ने इस कानून से कलाकारों को अलग कर दिया है। अब सभी कलाकार पहले की तरह अपना काम धन्धा कर सकते हैं।

4. राजस्थान सरकार ने कलानेरी योजना के लिए (जिसमें राजस्थान के 425 कलाकारों को घर के साथ काम की जगह की व्यवस्था है) आमेर किले के पास जमीन दे दी है। इस परियोजना में सारथी राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के साथ काम कर रही है। हमारा यह भी उद्देश्य है कि इस योजना में गरीब कलाकार शामिल हों।

5. उड़ीसा सरकार के साथ इन्टेक के सहयोग से, उड़ीसा की सांस्कृतिक विरासत को एक प्रदर्शनी द्वारा शीघ्र ही प्रदर्शित करने जा रहे हैं। जिसका प्रारुप तैयार है।

6. कला क्षेत्र परियोजना के अन्तर्गत उड़ीसा के 400 कलाकारों को रहवास की योजना उड़ीसा में शीघ्र शुरू की जाने वाली है।

7. कलाकार ट्रस्ट के सहयोग से शादीपुर डिपो में चल रही डिस्पेन्सरी बहुत अच्छी तरह चल रही है। इसके अलावा यहा पर बच्चों की बालवाड़ी, स्कूल तथा सृजनात्मक कक्षायें बराबर चल रही हैं। इसी बस्ती में पानी, खड़िन्चे आदि अन्य सामान्य सुविधा प्रदान कराने में हम कलाकार ट्रस्ट के आभारी है।

8. शादीपुर डिपो कठपुतली कालोनी में रह-बस रहे 600 कलाकारों को जमीन मिल चुकी है कलाकार अभी इस काम को पूरा करने के लिए अपनी बहुउद्देशीय कोआपरेटिव बना रहे है।

9. इस वर्ष मई-जून के महीने में सारथी ने देश के विभिन्न लोक कलाकारों को साथ मिलाकर एक स्टेज पर लाये तथा हिन्दुस्तानी कला की पारिवारिक परम्परा एवं गुरू-शिष्य परम्परा को प्रदर्शित किया। इस प्रस्तुति को फ्रांस की विश्व प्रसिद्ध व्यक्तित्व आर्यन मुस्किन ने सराहा तथा एक महीने के लिए 34 कलाकारों को इस प्रस्तुति के प्रदर्शन के लिये न्योता दिया। मई-जून के महीने में यह कार्यक्रम पेरिस में दिखाया गया जिसकी पूरे फ्रांस के लोगों ने काफी तारीफ की व भारतीय कला के मूल को समझा।

   इस पूरे कार्यक्रम में 12 बाल कलाकारों के अलावा गुरू के रूप में, पद्मश्री तीजन बाई, गोटिपुआ के गुरू मागुनीदास, मंगनियार गाजी खा, बाउल गुरू हरिपदा गोस्वामी, मरुलैत बाद बाबा, नट, हीराबाई ने भाग लिया। फ्रांस में प्रत्येक कलाकार ने एक लाख से अधिक रुपया कमाये।

   अब इस गुरू शिष्य परम्परा की प्रस्तुति को पूरे देश में दिखाने का विचार है।

10. सारथी ने कलाकारों के लिये दो पुरस्कारों की घोषणा कर दी है -

    1. अंकुर :- इस के अन्तर्गत 18 वर्ष तक की उम्र के उन बाल कलाकारों को रू० 500/- प्रतिमाह का वजीफा दिया जायेगा जो अपने पारम्परिक हुनर को जिन्दा रखे हुए है। इस योजना में 15 बच्चों को प्रतिमाह रू० 500/- मिलना शुरू हो गया है, फ्रांस के थियेटर डी सोलिल (आर्यन मुस्किन) ने इन बच्चों को अपनाया है।

    2. बरगद : ऐसी योजना जो उन पारम्परिक कलाकारों के लिए है, जिन्होंने अपनी कला विरासत का प्रचार-प्रसार एवं फैलाव में योगदान दिया हो। साथ ही उस हुनर में महारत हासिल की हो। इस योजना में रू० 2500/- प्रतिमाह दिया जायेगा। ऐसे 3 व्यक्तियों को प्रतिमाह 2500/- रू० मिलना शुरू हो गया है।

    अब हम विभिन्न लोगों संस्थाओं, व्यवसायियों से इन दोनों योजनाओं को अपनाने के लिए संपर्क कर रहे हैं कि जिससे अधिक से अधिक उन कलाकारों को फायदा पहुँचे जो अपने हुनर से जुड़े हैं।

11. देश में विकास के कार्य कर रही विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से सारथी अपना संपर्क बना रही है। अभी हाल ही में राजघाट पर नर्मदा बचाओ आन्दोलन के नेता विश्व विख्यात बाबा आमटे जी के सत्याग्रह में अपना समर्थन दिया तथा पारम्परिक हुनर के जरिये आन्दोलन के प्रचार-प्रसार में योगदान देने का वायदा किया।

12. समय-समय पर सारथी दस्तकारों, बुनकरों, लोक कलाकारों एवं संगीतकारों को रोजगार के कार्यक्रम ढूंढती रहती है जिससे बहुत से कलाकार लाभान्वित हुए हैं। करीब 20 बुनकर पूरी तरह विभिन्न संस्थाओं के साथ काम कर रहे है। इसी तरह अन्य कलाकार भी भिन्न-भिन्न जगह काम कर रहे है।

ऊपर लिखी सूचनायें आपकी जानकारी के लिये लिखी है जिससे कि आपको सारथी के कार्यों के बारे में पूरी खबर रहे।

निमन्त्रण

14 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या हमारी एकजुटता की वर्षगांठ है

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी एक साथ जुटेंगे व अग्रिम योजना के बारे में आपसे विचार करेंगे। सारथी कलाकारों के रोजगार के लिए कई कार्यक्रम बना रही है।

शादीपुर कठपुतली कालोनी कलाकारों की एक ऐसी बस्ती है जो हमेशा से कलाप्रेमियों के लिए प्रेरणा स्रोत रही है।

14 अगस्त स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम हम कलाकारों की इसी बस्ती में मनायेंगे।

आपसे अनुरोध है कि आप 14 अगस्त की सुबह 10 बजे कार्यक्रम स्थल पर जरूर पधारें।

कार्यक्रम में आपका हार्दिक स्वागत है।

राजीव सेठी

कार्यक्रम स्थल :
भूले बिसरे कलाकार वर्कशाप
कठपुतली कालोनी, शादीपुर डिपो,
नई दिल्ली-8

(राजीव सेठी)
सारथी नेहरू कला कुंज
फ्लैट नं० - 4 शंकर मार्किट
फोन नं० - 3315107, 3314065